आकाशवाणी केन्द्र शिमला

21.12.2025 / प्रादेशिक समाचार / 9:20बजे

मुख्य समाचार''

- प्रदेश में पल्स पोलियो अभियान आज–6 लाख 25 हजार से अधिक बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य–मुख्यमंत्री शिमला से करेंगे अभियान का शुभारंभ।
- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से किन्नौर में आत्म निर्भरता की ओर अग्रसर हो रहीं महिलाएं।
- फलों की ग्रेडिंग में एआई के इस्तेमाल से बागवानों को उचित मूल्य मिलने में मिलेगी मदद।
- पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से रोहतांग व शिंकुला में हल्का हिमपात–राज्य में सूखे जैसी स्थिति से किसान बागवान चिंतित।

पोलियो अभियान

पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के तहत आज प्रदेश में 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाई जाएगी। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और प्रदेशभर में 5 हज़ार 7 सौ 93 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू शिमला के कमला नेहरू अस्पताल से अभियान का शुभारंभ करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल भी उनके साथ मौजूद रहेंगे। इस अभियान के तहत राज्य में 6 लाख 25 हज़ार से अधिक बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य इस अभियान को सफल बनाने के लिए 11 हज़ार 7 सौ 6 टीकाकरण टीमों की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि इस बार पर्यटन स्थलों, निर्माण स्थलों और दुर्गम क्षेत्रों को अभियान के तहत विशेष रूप से कवर किया जा रहा है।

पोलियो खुराक पीने से आज वंचित रहने वाले बच्चों को 22 व 23 दिसम्बर को स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर–घर जाकर ये खुराक पिलाई जाएगी।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना

केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना किन्नौर में महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। योजना के तहत जनजातीय क्षेत्रों की महिलाओं को स्थानीय कृषि व बागवानी उत्पादों पर आधारित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे सेब, सूखे फल, पारंपरिक अनाज और स्थानीय उत्पादों का मूल्य संवद्धन हो रहा है। इससे स्थानीय महिलाओं को घर के समीप रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं।

विश्व ध्यान दिवस

आज दूसरा विश्व ध्यान दिवस मनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पिछले वर्ष 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस की घोषणा की थी। यह तिथि उत्तरी गोलार्ध में शीतकालीन संक्रांति को ध्यान में रखते हुए चुनी गई है, जो आत्मनिरीक्षण और आंतरिक शांति का प्रतीक है। इस बीच, भारतीय आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 'वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान' कार्यक्रम के दौरान एक ध्यान सत्र का नेतृत्व किया। युद्ध क्षेत्र में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए ध्यान योग के उपदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज के मनुष्य के लिए परिस्थितियां किसी युद्धक्षेत्र से कम नहीं है, क्योंकि समाज में विभिन्न मुद्दे युद्ध की स्थिति से कम नहीं हैं।

मौसम

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से कल रात रोहतांग, बारालाचा और शिंकुला दर्रा में हल्के हिमपात का समाचार है। मंडी ऊना, सिरमौर, बद्दी और बिलासपुर के कई क्षेत्रों में शनिवार को घना कोहरा छाया रहा। राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में आज बा

दल छाए हुए हैं। ऊना आने वाली रेलगाडियां कल लगातार तीसरे दिन भी देरी से पहुंची। शिंकुला दर्रा रोहतांग, सेवन सिंस्टर पीक, कुंजम दर्रा और बारालाचा की चोटियों में हल्की बर्फबारी हुई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार आज प्रदेश के मध्य व उच्च पर्वतीय क्षेत्रों बारिश व बर्फबारी की संभावना है।

मौसम–सूखा

इस बीच प्रदेश में बारिश और बर्फबारी न होने से सूखे जैसे हालात बनते जा रहे हैं। लंबे ड्राई स्पेल के कारण किसान किसानों–बागवानों की चिंताए बढ़ने लगी है। जिला चम्बा में लंबे समय से बारिश न होने के कारण किसान व बागवान सूखे जैसी स्थिति से जूझ रहे हैं। इस पर कृषि व बागवानी विभाग ने भी चिंता जताई है और किसानों व बागवानों से भविष्य में सिंचाई के लिए उचित जल संग्रहण करने का आह्वाहन किया है। उद्यान विभाग चम्बा के उपनिदेशक डॉ. प्रमोद शाह ने कहा कि जिला चंबा में लगातार कम बारिश और बर्फबारी के चलते मौसम का सीधा असर बागवानी पर पड़ रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

सेब राज्य हिमाचल में भी आधुनिक तकनीक के साथ अब बागवानी और उन्नत होती जा रही है। राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक का इस्तेमाल फलों की ग्रेडिंग प्रक्रिया में होने लगा है, जिससे सही गुणवत्ता व मात्रा में में फलों की पैकिंग हो पा रही है। ऐसे में बागवानों को बाजार में अपने फलों का उचित मूल्य मिलने में मदद मिलेगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित ग्रेडिंग मशीन बनाने वाली एक कंपनी मार्श हेरीयर के

सह संस्थापक नितिन गुप्ता ने कल शिमला में पत्रकार वार्ता में बताया कि फलों की ग्रेडिंग बागवानी का एक अहम पड़ाव रहती है जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से फलों को बेहतर तरीके से छंटाई की जा सकती है। एआई से अब फलों को आकार, रंग और डैमेज और गुणवत्ता के आधार पर ग्रेट किया जा सकता है। जिससे पैकिंग के समय एक समान और बेहतर फल ही बाजार में बिक्री के लिए पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि एआई तकनीक की यह ग्रेडिंग मशीन सेब के अलावा कई अन्य स्टोन फ्रूट व फलों में भी ग्रेडिंग के लिए उपयुक्त है।

अब सुर्खियां समाचार पत्रों से.....

आज समाचार पत्रों ने अलग–अलग खबरों को प्रमुखता दी है। अमर उजाला लिखता है कर्ज में डूबे छोटे दुकानदारों के दस लाख के लोन का एक लाख चुकाएगी सरकार। दिव्य हिमाचल की सुर्खी है–भाजपा सरकार से 3 हजार 8 सौ करोड़ ज्यादा कमाए– सीएम बोले, संसाधन सृजन से आत्मनिर्भरता की ओर कदम उठा रही हिमाचल सरकार।

पंजाब केसरी मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के हवाले से लिखता है– माफ किया जायेगा बेसहारा बच्चों का ऋण–चंबा के मटवाड़ के बेसहारा बच्चों का सहारा बने सीएम।

दैनिक भास्कर का शीर्षक है– एस.एम.सी. शिक्षकों के एक हजार 4 सौ 27 पद भरे जाएंगे, 5 साल का अनुभव जरूरी।

हिमाचल दस्तक की एक खबर है– आज 6 लाख 24 हजार बच्चे पिएंगे दो बूंद जिंदगी की, 5 हजार 703 बूथों पर विभाग की तैयारियां पूरी।

मैदान में छाया घना कोहरा, पहाड़ों पर बढ़ी ठंड दैनिक जागरण की एक खबर है।

अंत में मुख्य समाचार एक बार फिर

- प्रदेश में पल्स पोलियो अभियान आज–6 लाख 25 हजार से अधिक बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य–मुख्यमंत्री शिमला से करेंगे अभियान का शुभारंभ।
- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से किन्नौर में आत्म निर्भरता की ओर अग्रसर हो रहीं महिलाएं।

- फलों की ग्रेडिंग में एआई के इस्तेमाल से बागवानों को उचित मूल्य मिलने में मिलेगी मदद।
- पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से रोहतांग व शिंकुला में हल्का हिमपात–राज्य में सूखे जैसी स्थिति से किसान बागवान चिंतित।